>

Title: Need to check the supply of spurious drugs in Ayurvedic dispensaries in Delhi.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): महोदय, मैं एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। आयुर्वेदिक दवा की आपूर्ति में विलंब होता है, एक-दो माह का समय लगा दिया जाता है। नार्थ एवेन्यू औषधालय, जहां केवल सांसद लोग ही अपना इलाज कराते हैं, आयुर्वेदिक दवा में विश्वास रखने वाले आयुर्वेदिक दवा लेते हैं, वहां भी एक महीने, दो महीने तक आपूर्तिकर्ता दवा नहीं देते, जो जीवनरक्षक दवा है, हृदय रोग की दवा, मधुमेह की दवा, रक्तचाप की दवा समय पर नहीं देते और जो डीलर है, वह लिख देता है - नॉट एवलेबल।

दूसरी बात है, पतंजलि योग संस्थान की दवा हिंदुस्तान में बिक रही है, उसकी ख्याति है, उसकी विश्वसनीयता है, उसमें गुणवत्ता भी है, लेकिन भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के कुछ अधिकारियों ने गुपचुप रूप से सभी औषधालयों के प्रभारियों को निर्देश दे दिया है कि पतंजलि योग संस्थान की दवाओं की आपूर्ति मत करो। वर्ष 2004 से मैं जिस दवा का सेवन करता रहा हूं, मधुमेह और हृदय रोग की दवाओं का, उन दवाओं की आपूर्ति अब नहीं की जाती है, इसके कारण बहुत ही गड़बड़ी हो रही है। पतंजलि योग संस्थान की दवाओं में उत्कृष्टता है और गुणवत्ता है। अन्य के मुकाबले उनकी कीमत भी कम है। स्वर्ण भस्म दिए बगैर कोई रस-रसायन आयुर्वेद में नहीं बनता है, लेकिन उसमें लगा दिया है कि स्वर्ण भस्म मिश्रित दवाओं की आपूर्ति सरकारी औषधालयों से नहीं की जाएगी।

महोदय, सब जानते हैं कि जैसे एलोपैथ की दवा को डी. एस. लिखकर, डबल स्ट्रेंथ करके उसकी गुणवत्ता को, उसकी पॉवर को बढ़ाया जाता है या एम.जी. बढ़ाकर पॉवर को बढ़ाया जाता है, उसी तरह आयुर्वेद की दवा की गुणवत्ता और शक्ति का वर्द्धन करने के लिए उसमें स्वर्ण भस्म मिलायी जाती है, जिस पर रोक लगा दी गयी है। अंत में मैं एक बात कहूंगा कि मुख्यालय में बैठे हुए कुछ अधिकारी हैं, जो यह षड़यंत्र करते रहते हैं और प्रभारियों पर दबाव देते हैं कि सांसदों के द्वारा जो पर्चा आए, उस पर्चे पर विलंब करो और जो नकली और फर्जी कंपनी की दवायें हैं, उन नकली और फर्जी कंपनी की दवाओं की आपूर्ति कराओ। पतंजलि योग संस्थान और अन्य अच्छी दवाओं की आपूर्ति न कराओ। मैंने मंत्री जी को कई बार पत्र लिखकर इस ओर उनका ध्यान आकृष्ट किया है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, क्योंकि उन अधिकारियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। मैं मांग करता हूं कि इस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

MR. CHAIRMAN :

Shri Virendra Kashyap and

Shri Arjun Ram Meghwal will associate themselves with the matter raised by Shri Hukumdev Narayan Yadav.